

**पुस्त** पुं. (तत्.) 1. लकड़ी/धातु की बनी हुई वस्तु  
2. पुस्तक, किताब।

**पुस्तक** पुं. (तत्.) ग्रंथ, पोथी, किताब।

**पुस्तक अंक** पुं. (तत्.) पुस्त. ऐसा कार्ड/पत्रक जिस पर पुस्तक का विवरण लिखा होता है।

**पुस्तक कार्ड** पुं. (तत्.+अं.) पुस्त. ऐसा अभिलेख जिससे यह ज्ञात हो कि पुस्तक को किस सदस्य ने लिया है और उसकी देय तिथि आदि क्या है।

**पुस्तक-डाक** पुं. (सं.+अं.) पुस्तक या अन्य मुद्रित सामग्री यथा पत्रिका आदि जो डाक से भेजी जाए।

**पुस्तकमाला स्त्री.** (तत्.) किसी पुस्तक या ग्रंथ के क्रमशः प्रकाशित अंश/खंड/भाग जो समान प्रकाशक द्वारा समान मुद्रण शैली में हों।

**पुस्तक-सार** पुं. (तत्.) किसी रचना की मुख्य बातों या तथ्यों का संक्षेप।

**पुस्तकाकार** वि. (तत्.) पुस्तक/ग्रंथ/किताब के आकार का।

**पुस्तकागार** पुं. (तत्.) पुस्तकालय।

**पुस्तकाध्यक्ष** पुं. (तत्.) पुस्तकालय का प्रधान अधिकारी, पुस्तकालयाध्यक्ष, ग्रंथालयाध्यक्ष।

**पुस्तकालय** पुं. (तत्.) वह भवन/आगार जिसमें अध्ययन में उपयोगी ग्रंथ/पुस्तक आदि रखी गई हैं एवं जहाँ पाठक उसका अध्ययन करता हो।

**पुस्तकालय अंतरादान** पुं. (तत्.) दो या एकाधिक पुस्तकालयों के मध्य परस्पर ऐसा सहयोगी प्रबंध जिसमें एक पुस्तकालय दूसरे पुस्तकालय से पुस्तक या प्रलेख उधार ले सके।

**पुस्तकालय विज्ञान** पुं. (तद्.) ज्ञान की वह शाखा जिसमें पुस्तकालय के लिए पुस्तकों/ग्रंथों, प्रलेखों आदि के चयन, रख-रखाव, प्रशासन, प्रबंधन, देख-रेख ज्ञान की वह शाखा जिसमें पुस्तकों/ग्रंथों के सदस्यों आदि द्वारा होने वाले प्रयोग; पुस्तकालय के विकास के तरीकों/समाधानों संबंधी विषयों का अध्ययन किया जाता है।

**पुस्तकालय संस्करण** पुं. (तत्.) पुस्तकालयीन उपयोग हेतु पुस्तकों के सुंदर और मजबूत जिल्द वाले संस्करण।

**पुस्तकालयाध्यक्ष** पुं. (तत्.) पुस्तकालय प्रमुख, पुस्तकाध्यक्ष।

**पुस्तकास्तरण** पुं. (तत्.) 1. पुस्तक की बेठन 2. धूल/मिट्टी एवं गंदगी से बचाने हेतु पुस्तक पर चढ़ाया गया आवरण/जिल्द।

**पुस्तकीय** वि. (तत्.) 1. पुस्तक संबंधी 2. पुस्तकों से प्राप्त होने वाला जैसे- पुस्तकीय ज्ञान।

**पुस्तिका स्त्री.** (तत्.) छोटी पुस्तक/किताब।

**पुहकर** पुं. (तद्.) दे. पुष्कर।

**पुहना** अ.क्रि. (देश.) गूँथा जाना स.क्रि. पिरोना, पोहना।

**पुहप** पुं. (तत्.) पुष्प, फूल।

**पुहमी स्त्री.** (तत्.) पृथ्वी, धरा, भूमि।

**पुहवै** पुं. (देश.) स्वामी, मालिक।

**पुहुपराग** पुं. (तत्.) पुखराज नामक रत्न।

**पुहुप-रेनु स्त्री.** (तत्.) पराग।

**पुहुमी स्त्री.** (तत्.) भूमि, पृथ्वी, धरा।

**पूआ** पुं. (देश.) दे. पुआ।

**पूखन** पुं. (तद्.) पूषण, सूर्य।

**पूग** पुं. (तत्.) 1. राशि, ढेर 2. सुपारी या उसका पेड़ 3. कटहल/शहतूत का पेड़ 4. स्वभाव, प्रकृति।

**पूगकृत** वि. (तत्.) संचय किया हुआ, जमा किया हुआ, इकट्ठा किया हुआ।

**पूगना** अ.क्रि. (देश.) 1. पूरा होना 2. पहुँचना।

**पूगफल** पुं. (तत्.) सुपारी।

**पूगी** पुं. (तत्.) सुपारी का वृक्ष स्त्री. सुपारी।

**पूगीफल** पुं. (तत्.) सुपारी।

**पूछ** स्त्री. (देश.) 1. पूछने या पूछे जाने की क्रिया/भाव 2. जिज्ञासा 3. आवश्यकता 4. आदर-सम्मान, कद्र 5. वस्तु की मांग।